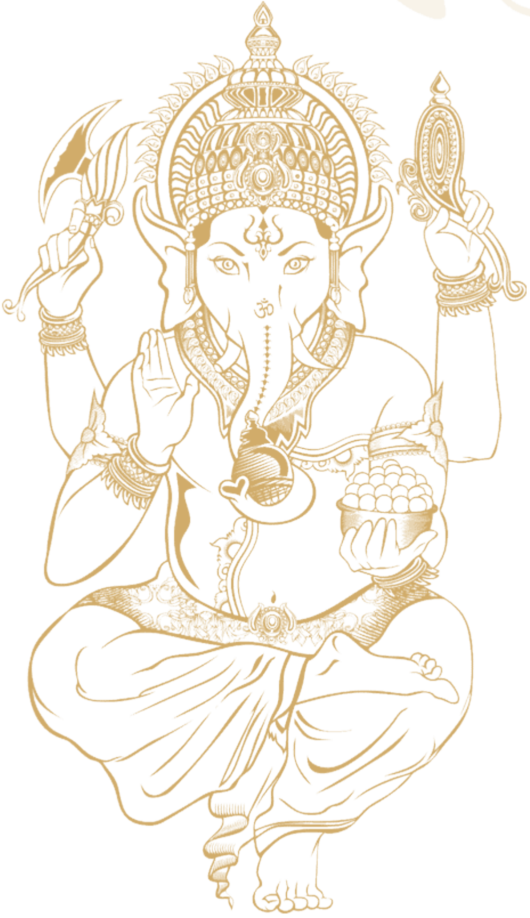

Niya

24 Oct 2025

09:45 AM

Ajmer

Model: web-freekundliweb

Order No: 119973204

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	: **24/10/2025**
दिन	: शुक्रवार
जन्म समय	: **09:45:00 घंटे**
इष्ट	: 07:52:51 घटी
स्थान	: **Ajmer**
राज्य	: Rajasthan
देश	: India

अक्षांश	: 26:29:00 उत्तर
रेखांश	: 74:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:31:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 09:13:40 घंटे
वेलान्तर	: 00:15:51 घंटे
साम्पातिक काल	: 11:24:58 घंटे
सूर्योदय	: 06:35:51 घंटे
सूर्यास्त	: 17:55:00 घंटे
दिनमान	: 11:19:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: हेमन्त
सूर्य के अंश	: 06:47:40 तुला
लग्न के अंश	: 16:54:33 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	: **वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	: **अनुराधा - 1**
नक्षत्र स्वामी	: शनि
योग	: सौभाग्य
करण	: तैतिल
गण	: देव
योनि	: मृग
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: कीटक
वर्ग	: सर्प
युँजा	: मध्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: ना-नन्दिता
पाया(राशि-नक्षत्र)	: स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चिक	16:54:33	313:38:44	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
सूर्य			तुला	06:47:40	00:59:47	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	नीच राशि
चंद्र			वृश्चिक	05:45:07	11:50:37	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	नीच राशि
मंगल			तुला	27:42:17	00:42:18	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध			तुला	29:51:33	01:12:29	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			कर्क	00:22:38	00:03:33	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	उच्च राशि
शुक्र			कन्या	18:34:50	01:14:48	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	नीच राशि
शनि	व		मीन	01:58:33	00:03:22	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	23:14:39	00:08:48	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	23:14:39	00:08:48	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	06:20:41	00:02:05	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	05:44:27	00:01:22	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	07:10:21	00:00:17	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			सिंह	26:15:04	--	पू०फाल्गुनी	--	11	सूर्य	शुक्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:06

लग्न-चलित

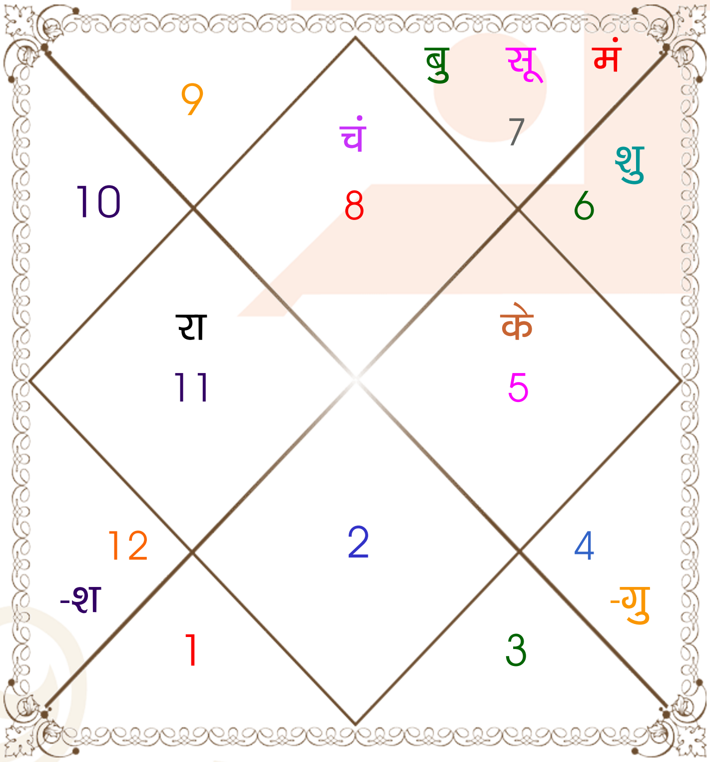

चन्द्र कुंडली

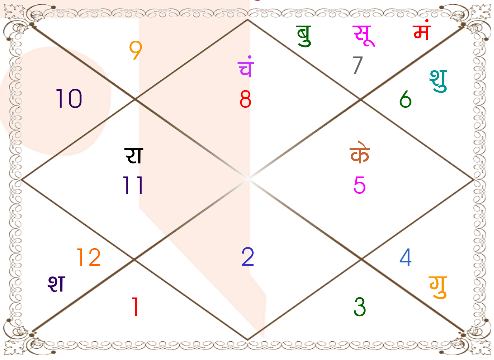

नवमांश कुंडली

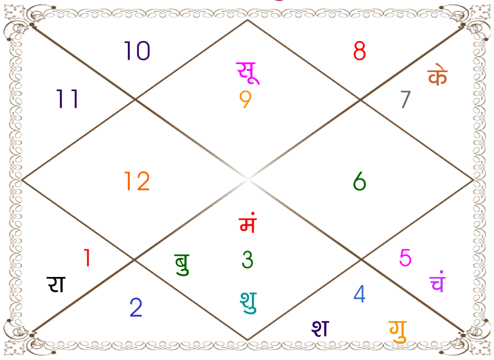

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 15 वर्ष 6 मास 19 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
24/10/2025		14/05/2041		14/05/2058		14/05/2065		14/05/2085	
14/05/2041		14/05/2058		14/05/2065		14/05/2085		14/05/2091	
	24/10/2025	बुध	10/10/2043	केतु	10/10/2058	शुक्र	12/09/2068	सूर्य	31/08/2085
बुध	25/01/2028	केतु	07/10/2044	शुक्र	10/12/2059	सूर्य	13/09/2069	चंद्र	02/03/2086
केतु	05/03/2029	शुक्र	08/08/2047	सूर्य	16/04/2060	चंद्र	14/05/2071	मंगल	08/07/2086
शुक्र	04/05/2032	सूर्य	13/06/2048	चंद्र	15/11/2060	मंगल	13/07/2072	राहु	02/06/2087
सूर्य	16/04/2033	चंद्र	12/11/2049	मंगल	13/04/2061	राहु	14/07/2075	गुरु	20/03/2088
चंद्र	16/11/2034	मंगल	10/11/2050	राहु	02/05/2062	गुरु	14/03/2078	शनि	02/03/2089
मंगल	26/12/2035	राहु	29/05/2053	गुरु	08/04/2063	शनि	14/05/2081	बुध	06/01/2090
राहु	01/11/2038	गुरु	04/09/2055	शनि	17/05/2064	बुध	14/03/2084	केतु	14/05/2090
गुरु	14/05/2041	शनि	14/05/2058	बुध	14/05/2065	केतु	14/05/2085	शुक्र	14/05/2091

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
14/05/2091		15/05/2101		15/05/2108		15/05/2126		15/05/2142	
15/05/2101		15/05/2108		15/05/2126		15/05/2142		00/00/0000	
चंद्र	14/03/2092	मंगल	11/10/2101	राहु	26/01/2111	गुरु	02/07/2128	शनि	18/05/2145
मंगल	13/10/2092	राहु	30/10/2102	गुरु	20/06/2113	शनि	14/01/2131	बुध	25/10/2145
राहु	14/04/2094	गुरु	05/10/2103	शनि	26/04/2116	बुध	21/04/2133		00/00/0000
गुरु	14/08/2095	शनि	13/11/2104	बुध	14/11/2118	केतु	27/03/2134		00/00/0000
शनि	14/03/2097	बुध	10/11/2105	केतु	02/12/2119	शुक्र	25/11/2136		00/00/0000
बुध	13/08/2098	केतु	09/04/2106	शुक्र	02/12/2122	सूर्य	14/09/2137		00/00/0000
केतु	14/03/2099	शुक्र	09/06/2107	सूर्य	27/10/2123	चंद्र	14/01/2139		00/00/0000
शुक्र	13/11/2100	सूर्य	15/10/2107	चंद्र	27/04/2125	मंगल	21/12/2139		00/00/0000
सूर्य	15/05/2101	चंद्र	15/05/2108	मंगल	15/05/2126	राहु	15/05/2142		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 15 वर्ष 6 मा 19 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय संरूपण आकृति से यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म जयेष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। वृश्चिक लग्नोदय काल धनु राशि का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका जन्म कालिक प्रभाव यह सूचित कर रहा है कि आप अपना विचार तो किसी अन्य कार्य के सम्बन्ध में रखती हैं, परंतु आप उद्देश्य के विपरीत कार्य सम्पादन करती हैं। आपके जीवन का लक्ष्य है कि आप पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर लें ताकि अपना आनन्दमय जीवन सुखपूर्वक बिता सके।

आपके बाहरी भाव से ऐसा परिदृश्य हो रहा है कि आप उच्चकोटि की धार्मिक महिला हैं। आप वार्ताक्रम में यह आश्वस्त कर देती हैं कि वस्तुतः क्या ठीक अथवा क्या गलत हैं। आपका आचरण धार्मिक है तथा आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्राणी हैं। परन्तु आपकी आन्तरिक भावना यह है कि आप विपरीत बातों के प्रति अपना धार्मिक उपदेश प्रदान करें। वास्तव में आपका झुकाव धन प्राप्ति की ओर रहता हैं। आपके मन में धन प्राप्ति के प्रति प्रबल उत्कंठा रहती हैं कि अपने जीवन का सम्पूर्ण आनन्द प्राप्त करें।

आप किसी भी प्रकार की अभद्रता पूर्ण कार्य-कलाप को त्यागने के लिए सक्षम हैं। आप पूर्ण शिक्षित, कुशाग्रबुद्धि की चालाक महिला हैं। आपमें यह विशेषता विद्यमान है कि आप जनसामान्य को अपनी ओर आकृष्ट कर लेती हैं। क्योंकि आपमें भाषा के प्रति अभिरूचि रहती है। आप काव्य-कला और सामान्य भाषा की ज्ञाता है। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल प्रेस, प्रकाशन, विज्ञापन, प्रचार, पुस्तकों का प्रकाशन तथा वाद्य यंत्र का निर्माण कार्य उपयुक्त है। यदि आपकी अभिरूचि हो तो आप अभियंत्रिकी कार्य भी सम्पादन कर सकती हैं।

आपको अच्छी प्रकार से यथेष्ठ धन प्राप्ति के सभी सुन्दर सुअवसर प्राप्त होंगे। परन्तु आप बहुतायत में धन का व्यय भी करेंगी। आप चाहती है कि जनसामान्य के दृष्टिकोण में प्रभावशाली दृश्य हों तथा मूल्यवान साज शय्याओं से युक्त घर सुसज्जित दिखें तथा आधुनिक सौन्दर्य से युक्त हो।

आप प्रेम प्रसंग में भी कुछ उपयुक्त हो सकती हैं। आप अपने जीवन संगी के प्रति श्रद्धा रखते हुए अत्यधिक द्रवित हो जाती हो। परन्तु यदि वह अस्वस्थ्यता प्रदर्शित करता है तो आप इसे भाग्य की विडम्बना समझकर अन्य स्त्री के साथ सम्बन्ध स्थापित करने को उद्यत हो जाती हो तथा इसे दुखद अनुभव करती हो तथा इसे संभावित घटना समझकर परित्याग करती हो। आप अपनी जीवन संगी के चयन के पूर्व आप अपने घरेलू कार्य-क्रम को विधिवत सम्पादित करती रहेंगी। आप अपने उत्तम जीवन-संगी के चयन एवं उत्तम तारतम्यता हेतु उस पुरुष का चयन करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, वृष, कन्या अथवा मकर राशि में हुआ हो।

आपका वासनात्मक उन्माद आपके स्वास्थ्य को समस्याग्रस्त बना सकता है। जिससे आपका गुप्तांग प्रभावित हो जायगा। अतः रोमांचकारी सीमा पर सावधानी पूर्वक चलें। इसके अतिरिक्त अन्य रोग यथा बवासीर एवं ट्यूमर रोग से भी आपका स्वास्थ्य अद्योगति को प्राप्त कर सकता है। अतः आपके लिए उचित मार्ग यह है कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण

सतर्क रहें, अन्यथा आपके जीवन के 13 वें 27 वें एवं 49 वें वर्ष में गंभीर स्वास्थ्य बाधा उपस्थित हो जाएगी। यदि आप सुनियोजित ढंग से समुचित सतर्कता बरतें तो उपरोक्त रोगों से सुरक्षित रह सकती हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, नारंगी, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु आप सफेद, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक अनुकूल एवं ग्राह्य है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक अव्यवहारणीय है।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।